MANOBAL
A NEW BEGINNING
FOUNDATION

MANOBAL
A NEW BEGINNING FOUNDATION

NEWSLETTER

जुलाई - सितंबर 2024
अंक 02

जब आप "बचाव" शब्द सुनते हैं, तो आपके दिमाग में क्या आता है? शायद यह किसी को खतरे से मुक्त करने, किसी को बचाने और मुक्त करने की छवि को उभारता है। मेरे लिए, एक व्यक्ति को बचाने का मतलब पूरे परिवार को बचाना है। शब्द को व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो बचाव का अर्थ पहचानना, शिक्षित करना, समाधान करना, स्थिरता प्रदान करना, पालन-पोषण करना और अंततः जीवन का आनंद लेना भी है।

आज, मैं एक महत्वपूर्ण संदेश देना चाहती हूँ। "मनोबल" एक ऐसा संगठन है जो मानव तस्करी के खिलाफ लड़ता है और इस जघन्य अपराध की शिकार लड़कियों और महिलाओं को बचाने के लिए समर्पित है। "बचाव" शब्द छोटा और सरल लग सकता है, लेकिन हर बार जब हम बचाव अभियान पर निकलते हैं, तो हमें उतनी ही मुश्किल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जितनी पहले भी होती रही हैं। बचाव आसान नहीं है।

मैं तस्करी की शिकार एक अफ़्रीकी महिला जेनी (बदला हुआ नाम) की कहानी साझा करना चाहूंगी। स्कूल खत्म करने के बाद, जेनी ने नर्सिंग में अपना करियर बनाने का फैसला किया और नर्सिंग कोर्स में दाखिला ले लिया। स्नातक होने के बाद, उसने नौकरी की तलाश शुरू कर दी। एक दिन उसकी मुलाकात एक एजेंट से हुई जिसने उसे बताया कि भारत में नर्सिंग के क्षेत्र में बहुत अच्छे अवसर हैं और वह वहाँ एक अच्छी नौकरी पा सकती है। एजेंट ने उसे एक महिला से मिलवाया जिसने जेनी के वीज़ा और पासपोर्ट के लिए पैसे दिए और उसे भरोसा दिलाया कि भारत में उसके लिए नौकरी की तैयार है।

जब जेनी भारत पहुँची तो वह बहुत उत्साहित थी। वही महिला उसे एयरपोर्ट पर मिली और अपने घर ले गई। लेकिन कुछ ही समय बाद, महिला ने जेनी का पासपोर्ट, वीज़ा और फ़ोन छिन लिया। दो दिन बाद, महिला ने जेनी को बताया कि उस पर यात्रा खर्च के लिए पैसे बकाया हैं और उसे सेक्स वर्क के ज़रिए उसे चुकाना होगा। जेनी सदमे में थी। वह नर्सिंग की नौकरी के लिए भारत आई थी, लेकिन अब उसे एक अकल्पनीय स्थिति में धकेला जा रहा था। जब उसने विरोध किया, तो उसे पीटा गया और धमकाया गया, आखिरकार उसे सेक्स ट्रेड में धकेल दिया गया।

जेनी फंस गई थी। उसके दस्तावेज़ तस्करों के पास थे और वह

घर लौटने की अपनी लाख कोशिश के बावजूद वहाँ से नहीं निकल पाई। दुर्भाग्य से, जेनी की कहानी अनोखी नहीं है। उसकी तरह कई महिलाएँ मदद के लिए मनोबल से जुड़ी हैं।

भाषा संबंधी बाधाओं, सामाजिक अलगाव और धमकियों के कारण इन पीड़ितों को जबरन सेक्स वर्क में धकेला जाता है। कई लोग अपने वीजा की अवधि से अधिक समय तक रुके रहते हैं और उनके पासपोर्ट तस्करों के कब्जे में हैं। कुछ के बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं और कई एचआईवी और एसटीडी जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। हर दिन, वे अपने बच्चों की देखभाल करते हुए जीवित रहने के लिए संघर्ष करते हैं। वे घर लौटना चाहते हैं, लेकिन वीजा ओवरस्टे फीस और यात्रा के लिए धन की कमी के कारण वे फंसी रहती हैं।

ये महिलाएँ मानव तस्करी की शिकार हैं, जिन्हें भारत लाया गया और वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया गया। जब आप किसी अफ्रीकी महिला को ऐसी स्थिति में देखते हैं, तो आप क्या सोचते हैं? क्या आपको सहानुभूति या आलोचना महसूस होती है? इस बारे में ध्यान से सोचें। "मनोबल" मानव तस्करी से प्रभावित लोगों की मदद करना जारी रखेगा।

यह जागरूकता बढ़ाने और इन पीड़ितों की मदद करने और मानव तस्करी के खिलाफ लड़ने के लिए कार्रवाई को प्रेरित करने का आह्वान है।

निर्मला बी वाल्टर
संस्थापक और सामाजिक कार्यकर्ता
मनोबल ए न्यू बिगिनिंग
फाउंडेशन

बचाव और पुनर्वास

अच्छे प्रयास का अच्छा असर!

पिछले महीने पुलिस और मनोबल के साथ संयुक्त बचाव अभियान में जी.बी. रोड से सात लड़कियों को बचाया गया, जिनमें चार नाबालिग भी शामिल थीं, जिन्हें तस्करी करके वेश्यावृत्ति में धकेला गया था। पुलिस की सतर्कता और मनोबल के प्रयासों के कारण इन लड़कियों को बचाया गया। इन लड़कियों के शोषण में शामिल कई तस्करों और इस अपराध से संबंधित दस्तावेजों में हेराफेरी करने वाले अन्य लोगों को पकड़ा गया है। बचाई गई सभी लड़कियां वर्तमान में विभिन्न आश्रय गृहों में हैं, जहां उन्हें परामर्श दिया जा रहा है और अब उनकी हालत स्थिर है। इस बचाव अभियान का बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, जिसके कारण वेश्यालय संख्या 42 और 59 को सील कर दिया गया है, जो एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह कार्रवाई एक मजबूत संदेश देती है: नाबालिगों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। मनोबल नाबालिगों की तस्करी करने वालों के लिए सख्त सजा की मांग पर अड़े हुए हैं और ऐसे वेश्यालयों को बंद करने की मांग कर रहे हैं, जहां इस तरह के अत्याचार होते हैं।

दिल्ली के वेश्यालय में तस्करी करके लाई गई एक बांग्लादेशी लड़की को छुड़ाया गया और उसे बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। वह अब बांग्लादेश में एक गैर सरकारी संगठन की देखरेख में है और जल्द ही अपने परिवार से मिल जायेगी।

Raid in brothel results in rescue of 14-yr-old orphan

Devanshi.Mehta
@timesofindia.com

When she was located after a raid, the cops found her wearing heavy makeup and in a terrified state. Police apprehended the brothel owner and the girl was taken to a shelter home

New Delhi: A minor girl was finding it difficult to make ends meet at home in Bijnore, Uttar Pradesh. An orphan, she lived with three sisters and a drug addict brother. Soon after the Covid pandemic, she left home and reached Delhi, hoping for a better future. She began working as a domestic help and was in the city for two years before packing her bag and returning home, where instead of a welcome, her siblings accused her of having abandoned them and refused to accept her. The angry girl took a train back to Delhi. But this time, the youngster, just 14 years old now, was unable to find a job. Instead, she met a man named Anas who promised her a better life.

The girl, whose name cannot be revealed for legal reasons, fell in love with Anas, a resident of Zakir Nagar in southeast Delhi. The fairy tale, however, didn't last long. In the last few months, the couple fought incessantly as Anas expressed his inability in taking care of her expenses. When the relationship deteriorated, Anas decided to sell the girl to a brothel. Last week, he told the girl they were going to meet a relative but took her to kotha No. 42 on GB Road, the city's red light area, where he is a regular visitor.

Her life turned upside down at the brothel. But providentially for her, her trauma was cut short when the cops posted at the all-women police post on Shraddhanand Marg were tipped off about the new entrant at No. 42.

M Harsha Vardhan, DCP (Central), disclosed, "Around 8.30pm on July 12, we received information from an informer that a minor girl, aged about 14 years, was being compelled to work at a brothel." A team led by sub-inspector Kiran Sethia was constituted and NGO Manobal roped in to rescue the girl. When she was located after a raid, the cops found her wearing heavy makeup and in a terrified state. Police apprehended the brothel owner named Anjali alias Meena, 42. The girl was taken to a shelter home. She was given a medical examination and her statement was recorded by the child welfare committee.

Police have registered a case under relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita. The Immoral Trafficking (Prevention) Act and the Protection of Children From Sexual Offences Act have also been invoked in the case against Anjali, who has been sent to jail while raids are going on to trace and apprehend Anas.

Special commissioner of police Ravindra Yadav appreciated the efforts of the all-women police post, which had been recently inaugurated by lieutenant governor VK Saxena with the aim of saving innocent girls from traffickers, an objective it successfully fulfilled in this particular case.

PWD drops flyover plan

हाल ही में वेश्यालय से बचाई गई लड़कियां

मनोबल ट्यूशन सेंटर

मनोबल ट्यूशन सेंटर के बच्चे पिछले तीन महीनों से बहुत उत्साह से भाग ले रहे हैं। उनके शैक्षिक, मानसिक और नैतिक विकास में सहायता के लिए कई तरह की गतिविधियाँ आयोजित की गईं और बच्चे हर एक में उत्सुकता से शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, वे कंप्यूटर शिक्षा का पूरा लाभ उठा रहे हैं, जहाँ वे बुनियादी कंप्यूटर कौशल सीख रहे हैं। प्रौद्योगिकी के प्रति यह संपर्क उनके लिए अत्यधिक लाभकारी साबित हो रहा है, जिससे उन्हें मूल्यवान कौशल प्राप्त हो रहे हैं जो उनकी भविष्य की शिक्षा और व्यक्तिगत विकास में मदद करेंगे।

शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के लिए, बच्चों के माता-पिता से नियमित रूप से प्रतिक्रिया एकत्र की गई। इस निरंतर संचार ने हमें अपनी शिक्षण विधियों को अनुकूलित करने और किसी भी विशिष्ट ज़रूरत या चिंता को संबोधित करने की अनुमति दी है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रत्येक बच्चे को सर्वोत्तम संभव सहायता मिल रही है।

प्रत्येक सप्ताह, बच्चे नैतिक शिक्षा कक्षाओं में भी भाग लेते हैं, जो उन्हें सामाजिक बुराइयों से बचने और समुदाय के भीतर सद्भाव में रहने के लिए सिखाने पर केंद्रित हैं। ये सत्र प्रेम, सम्मान और सहयोग के मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, बच्चों के मनोबल को बढ़ाने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और सकारात्मक सामाजिक व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

लड़कियों द्वारा बनाई गई राखी

बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच नशीली दवाओं की लत के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना

अभिभावक शिक्षक बैठक

स्वतंत्रता दिवस समारोह

शिक्षक दिवस समारोह

कंप्यूटर सीखाने की कक्षाएं

वयस्क महिलाओं के लिए अनौपचारिक शिक्षा

पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण

मनोबल द्वारा हरि नगर पुलिस स्टेशन और तिलक नगर पुलिस स्टेशन में जेजे एक्ट और पोक्सो पर केंद्रित सत्र लिया हैं। अधिवक्ता उत्कर्ष सिंह और पूर्व सीडब्ल्यूसी सदस्य राजेश सोलंकी ने प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व किया और अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान साझा किया। इन महत्वपूर्ण सत्रों का आयोजन जिला बाल संरक्षण इकाई-IV ने किया था।

22 जुलाई को दिल्ली के एनआईपीसीसीडी में रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) और सीएसओ के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। मनोबल ने मानव तस्करी के आयामों और सामुदायिक रोकथाम के लिए एक समग्र दृष्टिकोण पर चर्चा की। निर्मला बी वाल्टर को उनके साथ अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला।

*Victim Name change

मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस 2024

28 जुलाई, रविवार को दिल्ली पुलिस, JIMS, IITM और DU कॉलेज के छात्रों के साथ मिलकर मनोबल टीम ने जागरूकता अभियान चलाया। मनोबल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर किसी को इस अपराध के बारे में जानकारी हो और वे खुद को और अपने प्रियजनों को इससे बचा सकें।

मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस पर मनोबल ने मानव तस्करी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पटेल चौक, संसद मार्ग पुलिस स्टेशन से कनॉट प्लेस आउटर सर्किल तक मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया। इस प्रभावशाली अभियान का लक्ष्य दिल्ली के दिल तक पहुंचाना था।

मनोबल इंटर्नशिप कार्यक्रम

जगन्नाथ कम्युनिटी कॉलेज (JIMS) के लिए मनोबल इंटर्नशिप प्रोग्राम ने फोरेंसिक मनोविज्ञान के छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा संचालित कई ज्ञानवर्धक और समृद्ध सत्र प्रदान किए। यहाँ मुख्य सत्रों और गतिविधियों का सारांश दिया गया है:

निर्मला बी वाल्टर और गौरव गिल के साथ परिचय सत्र :
एक प्रेरक परिचय सत्र में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और संस्थापक निर्मला बी वाल्टर के साथ गौरव गिल ने फोरेंसिक मनोविज्ञान और मानव तस्करी विरोधी पर ध्यान केंद्रित किया। बातचीत जीवंत थी, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और दोनों क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्राप्त की।

बॉडी लैंग्वेज एनालिसिस और फोरेंसिक साइकोलॉजी सत्र: गौरव गिल द्वारा:
कार्यक्रम की शुरुआत बॉडी लैंग्वेज विशेषज्ञ गौरव गिल के नेतृत्व में एक आकर्षक सत्र के साथ हुई, जिसमें छात्रों को गैर-मौखिक संचार और फोरेंसिक मनोविज्ञान में इसकी प्रासंगिकता के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई।

डीसीपी शाहदरा जिले के साथ केस स्टडी चर्चा:
छात्रों को डीसीपी सुरेंदर कुमार, अतिरिक्त डीसीपी रवि कुमार और एसीपी प्रदीप कुमार के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। उन्होंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज़, जांच तकनीकों और नए कानूनों पर चर्चा की, जिससे छात्रों को कानून प्रवर्तन और फोरेंसिक जांच पर व्यावहारिक ज्ञान मिला।

डॉ. रंजीता कुमारी द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान:
सी.एफ.एस.एल., नई दिल्ली में एक प्रतिष्ठित फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक और सहायक निदेशक डॉ. रंजीता कुमारी ने एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जिससे छात्रों की फोरेंसिक मनोविज्ञान की समझ और भी गहरी हुई।

मानसिक स्वास्थ्य और मानवाधिकार कानून:
एनी थियोडोर और उत्कर्ष सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और मानवाधिकार कानून पर एक सत्र का नेतृत्व किया, जिसमें एक बहु-विषयक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया गया, जिसने छात्रों की सामाजिक और कानूनी मुद्दों की समझ को व्यापक बनाया।

एसआई किरण सेठी के साथ आत्मरक्षा और कानून प्रवर्तन:
6 अगस्त को, एसआई किरण सेठी (दिल्ली पुलिस की "लेडी सिंघम") ने व्यक्तिगत अनुभव, जांच केस स्टडीज़ और व्यावहारिक आत्मरक्षा युक्तियाँ साझा कीं, जिससे छात्रों को ज्ञान और आवश्यक सुरक्षा कौशल दोनों से सशक्त बनाया गया।

पत्रकारिता, मनोविज्ञान और मानव तस्करी:
8 अगस्त को, मानव तस्करी में विशेषज्ञता रखने वाली पत्रकार परी सैकिया ने पत्रकारिता, मनोविज्ञान और मानव तस्करी के अंतर्संबंधों की खोज करते हुए एक सत्र आयोजित किया। इस सत्र ने इस वैश्विक मुद्दे को उजागर करने और संबोधित करने में मीडिया की भूमिका के बारे में अमूल्य जानकारी प्रदान की।

निष्कर्ष:
मनोबल इंटर्नशिप कार्यक्रम ने JIMS कॉलेज के छात्रों को फोरेंसिक मनोविज्ञान, कानून प्रवर्तन, मानसिक स्वास्थ्य और मानवाधिकारों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों से सफलतापूर्वक परिचित कराया। कार्यक्रम के विविध सत्रों ने छात्रों को उनके भविष्य के करियर के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान और कौशल हासिल करने में मदद की।

मध्य प्रदेश में जागरूकता यात्रा

मनोबल शिक्षा के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने में विश्वास करते हैं। हमने 10 सितंबर को मध्य प्रदेश में अपने जागरूकता सत्र शुरू किए। इन सत्रों का उद्देश्य समुदायों को मानव तस्करी, बाल श्रम और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर शिक्षित करना है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी स्कूल या बच्चा बिना जानकारी के न रहे, सभी को मानव तस्करी को रोकने के लिए आवश्यक ज्ञान से लैस करना।

यह अभियान जबलपुर संभाग में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचना है ताकि उन्हें तस्करी के खतरों से बचाया जा सके। यह 10 से 17 सितंबर तक चलाया गया, जिसकी शुरुआत सालिवाड़ा के क्राइस्ट चर्च को-एड स्कूल से हुई। पूरे अभियान के दौरान, मनोबल ने 11 स्कूलों के 5,000 से अधिक बच्चों के बीच सफलतापूर्वक जागरूकता फैलाई। यात्रा का समापन मंडला चर्च में एक प्रभावशाली सत्र के साथ हुआ, जिसमें सुरक्षा और रोकथाम के संदेश को और फैलाया गया।

Cheques and DDs in favour of **Manobal A New Beginning Foundation**
Canara Bank, Lakhnadon Seoni MP
IFSC Code - **CNRB0005572**, Account number - **120002429066**
All donations sent to **Manobal A New Beginning Foundation**
are exempted under section 80(G) of the IT Act of 1961.

Follow us on

DELHI OFFICE:
RZ-122, STREET NO. 03, PALAM - DABRI MARG, VAISHALI, NEW DELHI-110045
+91 98112 18089 INFO@MANOBAL.COM WWW.MANOBAL.COM